Post Card Vending Machines

*415. **Shri S. C. Samanta:** Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) whether it is fact that orders for buying ten post card vending machines were placed in 1955;

(b) if so, whether they have been bought and installed;

(c) the names of places where experiments were made but machines were not installed; and

(d) how much time and labour can be saved by installing such a machine?

The Minister of State in the Ministry of Transport and Communications (Shri Raj Bahadur): (a) No. After an experiment with one such machine an indent for the supply of 10 Post Card Vending machines was, however, placed on the Director-General, Supplies and Disposals on 9.7.54, which was subsequently cancelled on 29.3.56, in the light of the decision to change the coinage system in the country.

(b) Does not arise.

(c) Experiments with one machine were made in the following Post Offices in Delhi: (i) Parliament Street, (ii) Chandni Chowk, (iii) Eastern Court, (iv) New Delhi Head Office.

(d) These machines add to the convenience of the public by providing sales of cards at any time of the day and night and on Sundays and post office holidays. Their objective is not to effect savings in time and labour.

Shri S. C. Samanta: May I know whether with the change in the coins—into new ones—the Government is thinking of importing such machines according to the new coins that are introduced?

Shri Raj Bahadur: At the moment, we are also trying to have such machines manufactured in our Bombay factory and we hope that in course of time we will succeed in that.

श्री एस० एस० द्विवेदी : क्या मैं जान सकता हूं कि इस किस्म की कितनी मशीनें सरकार ने मंगाई थीं जिन में कि पुराने सिक्के ही डाले जा सकते हैं और नये सिक्कों का अब चूंकि प्रचलन हो गया है तो उन मशीनों का क्या किया जायगा । साथ ही साथ यह भी जानना चाहता हूं कि यह जो एक्सपेरीमेंट किया गया वह सफल हुआ है या नहीं और यदि हां तो क्या उसे आगे बढ़ाया जायगा ?

श्री राज बहादुर : जी एक मशीन मंगाई थी और वह काफी दिन तक एक्सपेरीमेंट के लिये रक्खी गई थी पर हम ने पाया कि लोग इक्कन्नी के बजाय अधन्ने अर्थात् २ पैसे वाले सिक्के डालने लगे और उसमें भी २, २ कार्ड निकल आते थे इसलिये उसको बंद कर दिया गया । अब चूंकि कौयनेज सिस्टम बदल गया है इसलिये दुबारा कोशिश की जा रही है कि नये सिक्कों के मुताबिक यह मशीन बनायी जाये ।

श्री एस० एस० द्विवेदी : मैं ने पूछा था कि वह मशीन नये सिक्कों के चल जाने से खराब हो गयी ? मन्त्री महोदय ने मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं दिया । He has not replied to the question whether the machines are going to be used or wasted.

Shri Raj Bahadur: I have said that there was only one machine; for demonstration purposes we got that. We returned it to the manufacturers and got it back after some modifications. We did to try that too again.

श्री अचल सिंह : क्या मैं जान सकता हूं कि इस मशीन पर जगह जगह परीक्षण करने में अभी तक कुल कितना खर्चा हुआ है ?

श्री राज बहादुर : मैं समझता हूं कि इस में खर्चे का कोई सवाल पैदा नहीं

होता । हम मशीन लेते हैं डाकखाने के सामने रख देते हैं और उस में से कार्ड सिक्का डालने पर निकाले जाते हैं । यह हो सकता है कि किसी ने इकन्नी के बजाय दो पैसे का सिक्का डाला हो और इस तरह एक या दो पैसे का नुकसान हो गया हो । मैं समझता हूं कि ऐसा बहुत कम नुकसान हुआ होगा ।

Churchgate Railway Station, Bombay

\+

*416. Shri Naushir Bharucha:
Shri H. N. Mukerjee:
Shri Morarka:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) the total cost of reconstruction of Churchgate Station, Western Railway, Bombay;

(b) the amount spent up to the date of opening the station for traffic; and

(c) when will the entire project of remodelling the station be completed?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) Rs. 1·28 crores approximately, which includes remodelling of the yard, construction of platforms, station premises and offices.

(b) Rs 77.5 lakhs.

(c) By the end of June 1958.

Shri Naushir Bharucha: Is it a fact that this station is being used daily by nearly 2 lakhs of people and has been fitted with ventilation facilities which are totally inadequate?

Mr. Speaker: The new building?

Shri Naushir Bharucha: Yes, Sir; in the new building, the ventilation facilities are totally inadequate.

Shri Shahnawaz Khan: That is not our information.

Shri Morarka: May I know the extra advantage that the people would get by remodelling the station by spending Rs. 1.28 crores?

Shri Shahnawaz Khan: The extra advantage will be that we will run more trains. Approximately, 16 more trains would be run; there will be more platforms and we will be dealing with a much greater number of passengers.

श्री रघुनाथ सिंह : इस में ज्यादा लाइन्स तो नहीं की गई है तो फिर ज्यादा ट्रेंस कहां से आयेंगी ?

श्री शाहनवाज खां : यहां पहले जो गाडियां चार चार मिनट के वक्फे पर चलती हैं तो अब यह इम्प्रूवमेंट करने से हम उम्मीद करते हैं कि इस वक्फे में कुछ कमी की जा सकेगी और बहुत मुमकिन है कि ३, ३ मिनट के वक्फे में गाडियां चल सकें ।

श्री एम० एल० द्विवेदी : क्या मैं यह जान सकता हूं कि यह चर्चगेट रेलवे स्टेशन जिसमें कि १ करोड़ रुपया लगा है और जब कि देश के ऐसे बहुत से कोने हैं जहां रेलवे बिलकुल है हू नहीं और वहां पर सरप्लस ऐरिया है तो क्या सरकार यह नहीं सोचती है कि जहां पर रेलवें बिलकुल नहीं है वहां पर रेलवे बननी चाहिये और ऐसे स्थानों पर रेलवे लाइन बनने के बाद उन स्थानों पर अतिरिक्त रेलवे लाइनें आदि बनानी चाहिये जहां कि पहले से रेलवे लाइन और स्टेशन है ।

रेलवे मंत्री (श्री जगजीवन राम) : अगर सदस्य महोदय ने यह सोचने का कष्ट किया होता कि यह कब मंजूर हुआ और कब बना तो शायद यह प्रश्न वह न उठाते । जहां बड़े बड़े शहरों की बाबत हम समझते हैं कि वहां पर और अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जायें और वह काम हम तब तक नहीं कर सकते जब तक कि वहां के स्टेशन पर ज्यादा जगह नहीं बनाते तो उसको करने के लिये हमें इस तरह के कामों को करना पड़ेगा ।

Shri Ranga: Is it not a fact that the capacity of that station after being